# दिनांक– 18.04.2013 को प्रधान सचिव की अध्यक्षता में सम्पन्न मुख्य अभियंता, हजारीबाग प्रक्षेत्राधीन योजनाओं की समीक्षात्मक बैठक की कार्यवाही।

बैठक में उपस्थित पदाधिकरियों की उपस्थिति परिशिष्ट–I में संलग्न है।

## 1. जलपथ प्रमण्डल, बरही (जिला–कोडरमा, प्रखण्ड –मरकच्चो)

### I. पंचखेरो जलाशय योजना (जिला–गिरिडीह, प्रखण्ड –राजधनवार)

- प्रशासनिक स्वीकृति की राशि – रू0 7568.87 लाख (दि0– 07.08.2007)
- मार्च 2012 तक व्यय – रू0 5931.94 लाख
- वर्ष 2012–13 में उपलब्ध आवंटन – रू0 816.282 लाख
- मार्च 2013 तक व्यय – रू0 701.766 लाख
- स्पिलवे निर्मित, रिभर क्लोजर सहित बाँध निर्मित।
- योजना का रूपांकित सिंचाई क्षमता : खरीफ 2548 हे०, रब्बी 537 हे०

| मुख्य अभियंता, हजारीबाग द्वारा बताया गया कि | निदेश :– |
|---|---|
| (i) River Closure का कार्य लगभग पूरा हो गया है। Dam Top Level तक मिट्टी कार्य पूर्ण हो गया है। Rock toe एवं Rip-rap का कार्य 60% से अधिक हो गया है। यह कार्य 15 मई 2013 तक पूरा हो जायेगा।<br>(ii) स्पिल चैनेल की निविदा पुनः प्राप्त हो गया है। निविदा निष्पादन के पश्चात् बरसात तक पूर्ण कराने का लक्ष्य है।<br>(iii) दोनों Ramp का कार्य समाप्ति की ओर है।<br>(iv) बाँध निर्माण स्थल पर ग्रामिणों द्वारा विस्थापितों की सूची में और लोगों का नाम जोड़ने तथा गैर मजरूआ जमीन के रैयतीकरण की माँग की जा रही है। विशेष भू–अर्जन पदाधिकारी द्वारा बताया गया कि भूमि का विस्तृत प्रतिवेदन उपायुक्त कोडरमा एवं गिरिडीह को समर्पित कर दिया गया है। सम्बन्धित अंचलाधिकारी द्वारा जाँचोपरान्त उपायुक्त को प्रतिवेदित किया जायेगा कि कौन सा गैरमजरूआ रकबा बन्दोबस्त किया गया है और कौन सा नही।<br>G.M.Land रैयतीकरण मामले के अन्तिम निष्पादन हेतु प्रधान सचिव द्वारा उपायुक्त कोडरमा को दूरभाष पर | (i) River closure का कार्य मई 2013 तक हर प्रकार से पूर्ण कराया जाय। मुख्य अभियंता, हजारीबाग द्वारा इसकी मोनिटरिंग की जाय।<br>(कार्रवाई :– मुख्य अभियंता, ज० सं० वि०, हजारीबाग)<br>(ii) Spill Channel, एवं दाँयीं मुख्य नहर का कार्य साथ–साथ जून 2013 तक हर प्रकार से पूर्ण कराया जाय। बाँयीं मुख्य नहर के चेन 137.72 तक का कार्य भी जून 2013 तक पूर्ण कराने का निदेश दिया गया।<br>(iii) गैर मजरूआ जमीन के रैयतीकरण मामले का शीघ्र निष्पादन करने हेतु उपायुक्त, कोडरमा एवं उपायुक्त गिरिडीह से विशेष भू–अर्जन पदाधिकारी, कार्यपालक अभियंता एवं अधीक्षण अभियंता द्वारा मिलकर अग्रेत्तर कार्रवाई सुनिश्चित की जाय।<br>G.M. Land के रैयतीकरण का मामला अगर एक सप्ताह में नहीं निपटता है तो आयुक्त, हजारीबाग को प्रधान सचिव के |

| | |
|---|---|
| निदेश दिया गया। योजनान्तर्गत गिरिडीह जिला में 258.50 एकड़ तथा कोडरमा जिला में 331 एकड़ G.M.Land के रैयतीकरण का मामला है। | स्तर से पत्र दिया जाय।<br>(कार्रवाई :– मुख्य अभियंता, ज०सं०वि०, हजारीबाग ) |
| ➢ **बाँयीं मुख्य नहर** की लम्बाई : 7.35 कि0मी0। लगभग 85% कार्य हुआ है। बाँयीं मुख्य नहर के Initial reach में Aqueduct का कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। यह कार्य पूर्ण होने के पश्चात LMC में 137 चेन (4.17 कि०मी०) तक पानी चला जायेगा।<br>➢ **दाँयी मुख्य नहर** ( LMC) की लम्बाई : 3.25 कि0मी0। लगभग 87% कार्य हुआ है। 2.50 कि०मी० की लम्बाई में कार्य हर प्रकार से पूर्ण हो गया है।<br>➢ अगले खरीफ में दाँयीं मुख्य नहर से 500 से 700 हेक्टेयर सिंचाई प्रदान की जा सकेगी तथा योजना से कुल मिलाकर 25 से 30 प्रतिशत कमाण्ड क्षेत्र में सिंचाई प्रदान की जा सकेगी।<br>➢ वित्तीय वर्ष 2013–14 में योजना को हर प्रकार से पूर्ण करने का कार्यक्रम है।<br>➢ **वितरणी प्रणाली** – बाँयी एवं दाँयी मुख्य नहर से निःसृत क्रमशः 5 एवं 2 वितरणियों का कार्य अभी प्रारम्भ नहीं हुआ है। इनकी कुल लम्बाई लगभग 18 कि0मी0 है।<br>➢ | (iv) अगले मॉनसून के पूर्व दोनों मुख्य नहरों का कार्य पूर्ण कराकर खरीफ में योजना से सिंचाई प्रारंभ की जाय।<br>(v) वितरण प्रणाली के कार्यों की निविदा की कार्रवाई की जाय और जून 2013 तक Distribution System का कार्य पूरा कराया जाय।<br>(vi) योजना से अगले खरीफ में 50% सिंचाई देने का लक्ष्य रखा जाय।<br>(कार्रवाई :– मुख्य अभियंता, ज०सं०वि०, हजारीबाग)<br>(vii) योजना के सभी वितरणी/उपवितरणी का भू–अर्जन मासिक Work Plan के अनुसार पूरा करायेंगे तथा सभी भू–मुआवजा भुगतान ECS के माध्यम से करना सुनिश्चित करेंगे।<br>(कार्रवाई :– विशेष भू–अर्जन पदाधिकारी हजारीबाग |

**(II) केशो जलाशय योजना (टर्न–की) (जिला–कोडरमा, प्रखण्ड – मरकच्चो)**

- ➢ संवेदक – विजेता प्रोजेक्ट एण्ड इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड, मोराबादी, राँची।
- ➢ प्रशासनिक स्वीकृति की राशि – रू0 6770.90 लाख
- ➢ मार्च 2012 तक व्यय – रू0 6661.92 लाख
- ➢ वर्ष 2012–13 में उपलब्ध आंवटन – शून्य
- ➢ योजना का सम्पूर्ण कार्य टर्न–की पर आवंटित है।

| | |
|---|---|
| ➢ बाँध निर्माण में दो नदियों का River Closure करना है। इसके अलावे बाँध निर्मित है। डैम | |

| | |
|---|---|
| आउटलेट एवं स्पिलवे अर्द्धनिर्मित है।<br>➢ बाँयीं मुख्य नहर की लम्बाई – 11.25 कि0मी0 है तथा दाँयीं मुख्य नहर की लम्बाई 14.83 कि0मी0 है। इनका भू–अर्जन हो गया है। लगभग 20–25% कार्य हुआ है।<br>➢ पुनरीक्षित प्रशासनिक स्वीकृति प्रक्रियाधीन।<br>➢ योजना से प्रभावित भू–धारियों द्वारा, समीप के पंचखेरो जलाशय योजना के समतुल्य भू–मुआवजा भुगतान की माँग की जा रही है तथा कार्य स्थगित करा दिया गया है। भू–अर्जन न्यायालय के आदेश के विरूद्ध भू–धारियों द्वारा माननीय उच्च न्यायालय में मामला दायर किया गया है जो विचाराधीन है। न्यायादेश के फलाफल के आधार पर ही भू–मुआवजा सम्बन्धी कार्रवाई की जायेगी।<br>➢ वितरण प्रणाली का I.R स्वीकृत नहीं हुआ है फलस्वरूप भू–अर्जन की कार्रवाई नहीं हुई है। | |

**(III) गरही जलाशय योजना (जिला–चतरा, प्रखण्ड– टण्डवा)**

- ➢ प्रशासनिक स्वीकृति की राशि – रू0 12163.625 लाख
- ➢ मार्च 2012 तक व्यय – रू0 6736.27 लाख (कार्य मद)
- ➢ वर्ष 2012–13 में उपलब्ध आंवटन – शून्य
- ➢

| | |
|---|---|
| ➢ इस योजना का निर्माण केवल एन0टी0पी0सी0 द्वारा निर्माणाधीन नार्थ कर्णपूरा पावर प्लान्ट को जलापूर्त्ति के लिये कराया जाना है। योजना से सिंचाई अथवा पेयजल का प्रावधान नहीं है।<br>➢ इस योजना को एन0टी0पी0सी0 द्वारा own कर लेने का अनुरोध ऊर्जा मंत्रालय, भारत सरकार से किया गया है।<br>➢ योजना में भू–अर्जनवाद के कई मामले हैं।<br>विभाग द्वारा इस योजना हेतु राशि नहीं उपलब्ध कराने का निर्णय लिया गया है। | एन०टी०पी०सी० से पत्र प्राप्त होने के पश्चात् विभागीय स्तर से निदेश के उपरान्त क्षेत्रीय पदाधिकारी अग्रेत्तर कार्रवाई करेंगे। |

## (IV) तिलैया नहर सिंचाई योजना

| | |
|---|---|
| योजना के कार्यान्वयन हेतु डी०पी०आर० तैयार करने का कार्य इस माह में आवंटित कर दिया गया है। कार्य समाप्ति की अवधि तीन माह है। एकरारनामा अभी नहीं हुआ है। | **निदेश** – एक सप्ताह के अन्दर एकरारनामा कर विभाग को सूचित किया जाय। (कार्रवाई :– मुख्य अभियंता, ज०सं०वि०, हजारीबाग) |

## (V) पूर्ण सिंचाई योजना

(i) बरही जलाशय योजना – पुनर्स्थापन कार्य का प्राक्कलन तैयार किया जा रहा है।

(ii) बक्सा जलाशय योजना एवं अंजनवा जलाशय योजना

| | |
|---|---|
| (i) योजना के पुनर्स्थापन कार्य हेतु 15 दिनों में प्राक्कलन तैयार हो जायेगा। | **निदेश** – (i) 8 से 10 मई के बीच बक्सा जलाशय योजना के संबंध में एक Presentation दिया जाय, जिसमें योजना स्थल का Photograph/Video graph भी हो।<br>(ii) इसके एक सप्ताह के बाद अंजनवा जलाशय योजना एवं इसके पुनर्स्थापन कार्यों के संबंध में Presentation दिया जाय। |

## 2. जलपथ प्रमण्डल, हजारीबाग

**(I) भैरवा जलाशय योजना (टर्न–की) (जिला–रामगढ़, प्रखण्ड–गोला)**

- संवेदक – विजेता प्रोजेक्ट एण्ड इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड, मोराबादी, राँची।
- प्रशासनिक स्वीकृति की राशि – रू0 6727.20 लाख (दि0– 07.08.2007)
- मार्च 2012 तक व्यय – रू0 8692.31 लाख
- वर्ष 2012–13 में उपलब्ध आवंटन – रू0 8.789 लाख (कोर्ट केश)
- वर्ष 2012–13 में व्यय – रू0 8.789 लाख
- 

| | |
|---|---|
| **कार्य की स्थिति –**<br>➢ योजना की सम्पूर्ण कार्य टर्न–की पर आवंटित है।<br>➢ River Closure छोड़कर डैम का कार्य पूर्ण है। डैम आउटलेट एवं स्पिलवे निर्मित है।<br>➢ बाँयीं मुख्य नहर की लम्बाई 15.64 कि0मी0 है तथा दाँयीं मुख्य नहर की लम्बाई 16.89 कि0मी0 | **निदेश** – भैरवा जलाशय योजना के पुनरीक्षित प्राक्कलन की प्रशासनिक स्वीकृति की संचिका अवलिम्ब प्रधान सचिव को उपस्थापित करने का निदेश दिया गया।<br>इस संबंध में मुख्य अभियंता, |

| | |
|---|---|
| है। इनका भू–अर्जन हो गया है। मुख्य नहरों का लगभग 60% का कार्य हुआ है।<br>➢ पुनरीक्षित प्रशासनिक स्वीकृति प्रक्रियाधीन।<br>➢ वितरण प्रणाली का I.R स्वीकृत नहीं हुआ है। | हजारीबाग द्वारा प्रधान सचिव से उनके कार्यालय कक्ष में मुलाकात कर निदेश प्राप्त किया गया।<br><br>**(कार्रवाई : अभियंता प्रमुख–I)** |

**(II) सिवाने जलाशय योजना** का डी0पी0आर0 तैयार करने का कार्य

(जिला–हजारीबाग, प्रखण्ड – कटकमसांडी )

- संवेदक – Aarvee Associates, Architects Engineers & Pvt Ltd, Hyderabad
- एकरारित राशि – रू0 89.00 लाख
- कार्य पूर्ण करने की एकरारित तिथि – 29.12.2012
- वर्ष 2012–13 में उपलब्ध आंवटन रू0 –25.00 लाख
- मार्च 2013 तक व्यय – 25.00 लाख

| कार्य की प्रगति – | निदेश – |
|---|---|
| (i) जमीनी सर्वेक्षण कार्य हो गया है। ग्रामिणों द्वारा कार्य अवरूद्ध किया जा रहा है। Dam Axis निर्धारित कर लिया गया है, परन्तु Foundation की जाँच हेतु Drilling का कार्य नहीं करने दिया जा रहा है।<br>(ii) ग्रामिणों को समझाने – बुझाने के बावजूद वे Drilling का कार्य नहीं करने दे रहे हैं। | (i) यह कार्य क्षेत्रीय विधायक की अनुशंसा पर प्रारंभ कराया गया हैं। ग्रामिणों द्वारा किये जा रहे विरोध से उन्हें अवगत कराया जाय और कार्य बिना बाधा के पूर्ण कराने हेतु उनसे सहयोग प्राप्त किया जाय तथा कार्य शीघ्र पूरा कराकर विभाग को सूचित किया जाय।<br>(ii) मुख्य अभियंता, हजारीबाग Review करें कि सर्वे का कौन–कौन कार्य हो गया है। अगर जमीन के उपर का सर्वे कार्य पूरा हो गया है तो Hydrology का प्रतिवेदन Final किया जाय। अब तक जो भी कार्य हो चुका है उसका Mid Term Presentation 15 मई को प्रस्तुत किया जाय।<br>**(कार्रवाई :– मुख्य अभियंता, ज0सं0वि0, हजारीबाग)** |

**(III)** दिपुगढ़ा कॉलोनी, हजारीबाग में डीप बोरिंग एवं भवनों के मरम्मति का कार्य –

| | |
|---|---|
| वर्ष 2013–14 के वार्षिक कार्यक्रम में इसे शामिल किया गया है। | निदेश – कार्य हेतु आवंटन शीघ्र निर्गत करने की कार्रवाई की जाय और कार्य को जून 2013 तक पूरा कराया जाय।<br>**(कार्रवाई :– मुख्य अभियंता, ज0सं0वि0, हजारीबाग)** |

## (IV) पूर्ण सिंचाई योजनाएँ

| | |
|---|---|
| (i) **बौधा जलाशय योजना** सर्वे कराकर प्राक्कलन तैयार कर लिया गया है।<br>(ii) **गोलाई वीयर** के System में सुधरी डैम, वीयर के U/S में बना हुआ है, जिससे नाला होकर वीयर को पानी Feed किया जाता है। आवश्यक मरम्मति कार्य का प्राक्कलन तैयार किया जा रहा है।<br>(iii) **लोटिया जलाशय योजना** के मुख्य नहर में 11 चेन के बाद पानी नहीं जाता है। यहाँ पर Aqueduct क्षतिग्रस्त है। पूरी योजना के पुनर्स्थापन कार्य का प्राक्कलन तैयार किया जा रहा है।<br>(iv) लपसिया सिंचाई योजना से सिंचाई उपलब्धि काफी कम है। नहर में 11 चेन के बाद Aqueduct क्षतिग्रस्त है। इनके पुनर्स्थापन कार्य हेतु प्राक्कलन तैयार कराया जा रहा है। | निदेश :–<br>(i) बौधा जलाशय योजना का प्राक्कलन Excel sheet में तैयार कर नक्शा/फोटोग्राफ सहित 8 से 10 मई के बीच Presentation दिया जाय।<br>(ii) जिन योजनाओं के सर्वेक्षण कार्य हेतु राशि की आवश्यकता है, उसके प्राक्कलन की राशि के साथ आवंटन की अधियाचना अविलम्ब भेजी जाय।<br>(iii) योजनाओं के पुनर्स्थापन का प्राक्कलन विभाग को शीघ्र समर्पित किया जाय एवं योजनाओं से पूरी क्षमता में सिंचाई उपलब्ध कराने हेतु अविलम्ब आवश्यक कार्रवाई की जाय।<br>(iv) अगली बैठक से सभी योजनाओं को google map पर दर्शाया जाय।<br>(v) सर्वे कार्य हेतु राशि शीघ्र release किया जाय।<br>**(कार्रवाई :– मुख्य अभियंता, ज0सं0वि0, हजारीबाग/मुख्य अभियंता (मो0)** |

## (V) मुख्य अभियंता, हजारीबाग कार्यालय एवं आवासीय भवन का निर्माण कार्य।

| | |
|---|---|
| ➢ प्रशासनिक स्वीकृति प्राप्त है।<br>➢ मुख्य अभियंता द्वारा बताया गया कि कार्य का कार्य की निविदा आमंत्रित की जा रही है। | निदेश – निविदा प्राप्ति के पश्चात् निविदा निष्पादन की कार्रवाई 15 दिनों में पूरी की जाय।<br>**(कार्रवाई :–मुख्य अभियंता, हजारीबाग/मुख्य अभियंता (मो0)** |

## कोनार सिंचाई परियोजना (जिला–हजारीबाग, प्रखण्ड– विष्णुगढ़)

- ➢ प्रशासनिक स्वीकृति की राशि – रू0 34838.60 लाख
- ➢ मार्च 2012 तक व्यय – रू0 19128.14 लाख
- ➢ वर्ष 2012–13 में उपलब्ध आवंटन – रू0 882.26 लाख
- ➢ जनवरी 2013 तक व्यय – रू0 676.19 लाख
- ➢ योजना की सिंचाई क्षमता:–खरीफ 54430.50 हे0, रब्बी–8520 हे0

| | |
|---|---|
| **वनभूमि अपयोजन** – योजना में शामिल वन भूमि के अपयोजन का प्रस्ताव संबंधित वन प्रमण्डल हजारीबाग एवं गिरिडीह को समर्पित कर दिया गया है।<br>**शीर्ष कार्य** – कोनार जलाशय डी0वी0सी0 द्वारा निर्मित है।<br>**मुख्य नहर** की लम्बाई – 9.28 कि0मी0 (टनेल सहित)। टनेल के 1 कि0मी0 का कार्य शेष। अवशेष टनेल कार्य, कट एण्ड कवर, इनटेक स्ट्रक्चर, एप्रोच चैनल इत्यादि के कार्य की निविदा निस्तार की प्रक्रिया में है।<br>➢ **बाँयीं शाखा नहर** इसकी लम्बाई – 6.025 कि0मी0 है जिसका कार्य पूर्ण है। इस शाखा नहर से वितरणी नहीं निःसृत है।<br>➢ **दाँयीं शाखा नहर** की लम्बाई – 35.525 कि0मी0 है, जिसमें लगभग 60% कार्य हुआ है। 19.25 कि0मी0 तक कार्य लगभग पूर्ण है 19.25 से 21 कि0मी0 के बीच कार्य प्रगति पर है। 21 कि0मी0 के बाद नहर के कुछ भाग में Forest land है। ग्राम खरकट्टो में भू–अर्जन का भुगतान चल रहा है।<br>➢ **बगोदर शाखा नहर** की लम्बाई 41.16 कि0मी0 है जिसके 37.96 कि0मी0 तक कार्य लगभग पूर्ण है। इसमें अवशेष मिट्टी का कार्य एवं संरचनाओं का कार्य प्रगति में है। इस शाखा नहर के कि0मी0 20.81 पर रेलवे पुल का निर्माण किया जाना है। जिसके लिये रेलवे अधिकारियों से सम्पर्क किया गया है। | निदेश :–<br>(i) बगोदर शाखा नहर के कि0मी0 20.81 पर रेलवे पुल निर्माण हेतु संबंधित रेलवे पदाधिकारियों से सम्पर्क कर इसके Design, Drawing एवं निर्माण हेतु आवश्यक कार्रवाई तुरंत की जाय। पुल का General Arrangement Design तैयार कराकर रेलवे को उपलब्ध कराया जाय एवं रेलवे से उस पर सहमति प्राप्त कर पुल निर्माण कार्य के प्राक्कलन के अनुसार रेलवे को राशि उपलब्ध कराने की कार्रवाई की जाय।<br>रेलवे पुल के निर्माण कार्य प्रारंभ कराने के पूर्व इसके आगे किसी निर्माण कार्य की निविदा नहीं निकाली जाय। जो चालू एकरारनामा है केवल वही कार्य पूर्ण कराये जायें।<br>**(कार्रवाई :– मुख्य अभियंता, ज0सं0वि0, हजारीबाग** |

**वितरण प्रणाली** : योजना में कुल **26** वितरणी एवं **12** उप वितरणी (Minors) है।

| | |
|---|---|
| ➢ **बगरो वितरणी** की लम्बाई 18.30 कि0मी0 है जिसमें 13.50 कि0मी0 तक कार्य पूर्ण है। इसके आगे पूरी लम्बाई में मिट्टी कार्य प्रगति में है। संरचनाओं | निदेश :–<br>(i) परियोजना में सर्वप्रथम मुख्य नहर का एवं दोनों शाखा नहरों का कार्य पूर्ण कराने की प्राथमिकता दी जाय। |

| | |
|---|---|
| सहित 17.50 कि0मी0 तक का कार्य जून 2013 तक पूरा करा लिया जायेगा।<br>➢ दाँयीं शाखा नहर से निःसृत **खेतको वितरणी** (10. 90 कि0मी0) का कार्य लगभग पूर्ण है। कुछ शेष संरचनाओं का निर्माण कार्य प्रगति में है।<br>➢ **बाराघाट वितरणी** (3.50 कि0मी0) में 60% कार्य हुआ। शेष कार्य भू–अर्जन पूर्ण नहीं होने के कारण बाधित है। मुंडरो एवं बराई ग्राम के भू–स्वामियों द्वारा भू–मुआवजा नहीं लिया जा रहा है। भू–अर्जन पदाधिकारी द्वारा बताया गया कि पैसा RD में जमा कर दिया गया है।<br>➢ बगोदर शाखा नहर से निःसृत बनपूरा वितरणी (लम्बाई 5.70 कि0मी0) का कार्य लगभग पूर्ण है शेष बचे संरचनाओं का निर्माण कार्य प्रगति में है जो मार्च 2013 में पूरा हो जायेगा।<br>चार वितरणियों का सर्वेक्षण कार्य कराया जा रहा है।<br>**(I) कोनार नहर प्रमण्डल, डुमरी (कोनार सिंचाई परियोजना)**<br>वर्ष 2012–13 में उपलब्ध आवंटन– रू0 626.88 लाख<br>मार्च 2013 तक व्यय– रू0 484.13 लाख<br>**(II) कोनार नहर प्रमण्डल, बगोदर (कोनार सिंचाई परियोजना)**<br>वर्ष 2012–13 में उपलब्ध आवंटन– रू0 190.95 लाख<br>जनवरी 2013 तक व्यय– रू0 127.97 लाख<br>**5. कोनार नहर प्रमण्डल, बनासो (कोनार सिंचाई परियोजना)**<br>वर्ष 2012–13 में उपलब्ध आवंटन – रू0 64.50 लाख<br>नवम्बर 2012 तक व्यय– रू0 64.09 लाख | वितरणियों एवं उपवितरणियों में एकरारित कार्य के अतिरिक्त नया कार्य नहीं करायी जाय।<br>(ii) परियोजना के वैसे वितरणी/ उपवितरणी जिसका सर्वेक्षण अभी तक नहीं हुआ है, का सर्वेक्षण कराकर I.R. तैयार कराया जाय और तदनुसार भू–अर्जन हेतु आगे की कार्रवाई की जाय।<br>**(कार्रवाई : अधीक्षण अभियंता, तेनुघाट बाँध अंचल, तेनुघाट)** |

## 6. तेनुघाट बाँध प्रमण्डल, तेनुघाट

| | |
|---|---|
| (a) तेनघाट शिविर के सड़क मरम्मति एवं P.C.C. सड़क निर्माण –कार्य प्रगति पर है। 15 मई 2013 तक पूरा हो जायेगा।<br>प्रशासनिक स्वीकृति रू0– 186.69 लाख (17.08.2012)<br>वर्ष 2012–13 में आवंटन रू०–170.00 लाख<br>मार्च 2013 तक व्यय – रू० 170.00 लाख<br>(b) तेनु बोकारो लिंक नहर के सेवापथ का मरम्मति एवं निर्माण कार्य<br>प्रशासनिक स्वीकृति रू0– 13.85 लाख<br>वर्ष 2012–13 में आवंटन रू0–13.85 लाख<br>जनवरी 2013 तक व्यय – रू० 13.755 लाख। कार्य पूरा हो गया है।<br>(c) गोवई बराज के पुनर्स्थापन कार्य हेतु डी०पी०आर० तैयार हो गया है जो अधीक्षण अभियंता के स्तर पर जाँच की प्रक्रिया में है।<br>(d) तेनुघाट आउटलेट के Emergency गेट के repair हेतु पुनः आमंत्रित E.o.I. के Technical Bid का evalution के पश्चात् किसी निविदादाता को Responsive नहीं पाये जाने के कारण इसे रद्द कर दिया गया है।<br>(e) तेनुघाट निरीक्षण भवन में Water Supply का कार्य पूरा करा लिया गया है।<br>(f) तेनुघाट डैम एवं स्पिलवे में आवश्यक मरम्मति कार्य का प्राक्कलन तैयार हो गया है। यॉंत्रिक कार्यों का प्राक्कलन तैयार किया जा रहा है। रेडियल गेट के Sill से Leakage है उसका Repair करना है।<br>(g) प्रमण्डल में Mechenical A.E./J.E. की आवश्यकता है। | निदेश :–<br>(a) Quality Control सुनिश्चित किया जाय।<br>(c) गोवई बराज योजना के पुनर्स्थापन कार्य के संबंध में दिनांक– 15 मई 2013 को Presentation दिया जाय एवं तत्पश्चात् ERM के अन्तर्गत इसके प्रशासनिक स्वीकृति की कार्रवाई की जाय।<br>कार्रवाई :– मुख्य अभियंता, ज0 सं0 वि0, हजारीबाग/मुख्य अभियंता (मो0)<br>(d) Radial gate के कार्य को E.o.I. में जोड़ा जाय।<br>(e) तेनुघाट निरीक्षण भवन को हर प्रकार से दुरूस्त कराया जाय। इसका प्राक्कलन भेजते हुए आवश्यक राशि की अधियाचना शीघ्र की जाय।<br>कार्रवाई :– मुख्य अभियंता, ज० सं० वि०, हजारीबाग |
| **अन्य विन्दु** प्रधान सचिव द्वारा पूछा गया कि प्रमण्डलों को वर्ष 2013–14 के लिए चेक ऑथरिटी मिला है कि नहीं। अधिकतर कार्यपालक अभियंताओं द्वारा बताया गया कि चेकऑथरिटी अभी नही मिला है। | **निदेश** – निदेश दिया गया कि किन–किन प्रमण्डलों को अब तक चेकऑथरिटी नहीं मिला है। इसकी सूची तीन दिनों के अन्दर भेजी जाय तथा बताया जाय कि चेकऑथरिटी मिलने में विलम्ब क्यों हो रहा है।<br>**कार्रवाई** :– मुख्य अभियंता, ज० सं० वि०, हजारीबाग |

बैठक में दिये गये निदेश का अनुपालन प्रतिवेदन पन्द्रह दिनों के अन्दर विभाग को उपलब्ध कराया जाय।

(बी०सी० निगम)
विशेष सचिव

ज्ञापांक : 2/PMC/hbg-baithak-93/2012- राँची, दिनांक :

प्रतिलिपि : मुख्य अभियंता, जल संसाधन विभाग, हजारीबाग/मुख्य अभियंता यांत्रिक, जल संसाधन विभाग, राँची/संयुक्त सचिव (अभि०)जल संसाधन विभाग, राँची/अधीक्षण अभियंता, जलपथ अंचल, हजारीबाग/अधीक्षण अभियंता, तेनुघाट बाँध अंचल, तेनुघाट/अधीक्षण अभियंता, योजना एवं मोनिटरिंग अंचल–1, 2 एवं 3 जल संसाधन विभाग राँची/विशेष भू–अर्जन पदाधिकारी, हजारीबाग को सूचनार्थ एवं अग्रेत्तर कार्रवाई हेतु प्रेषित। (email से)

(अशोक कुमार)
मुख्य अभियंता (मो0)

ज्ञापांक :– 2/PMC/baithak-93/2010- राँची, दिनांक :–

प्रतिलिपि :माननीय राज्यपाल के सलाहकार (जल संसाधन विभाग)के विशेष कार्य पदाधिकारी/प्रधान सचिव, जल संसाधन विभाग के सचिव/विशेष सचिव, जल संसाधन विभाग के निजी सहायक/अभियंता प्रमुख–I , जल संसाधन विभाग, राँची के निजी सहायक को सूचनार्थ एवं अग्रेत्तर कार्रवाई हेतु प्रेषित।

( अशोक कुमार)
मुख्य अभियंता (मो0)

ज्ञापांक :– 2/PMC/baithak-93/2010- 389 राँची, दिनांक :– 8.5.2013

प्रतिलिपि :वेब मैनेजर, वेबसाइट जल संसाधन विभाग, राँची को सूचनार्थ एवं विभागीय वेबसाइट पर Up load करने हेतु प्रेषित।

8/5/2013

( अशोक कुमार)
मुख्य अभियंता (मो0)